

## जैविक बाजरे का नरियात

### चर्चा में क्यों?

देश में जैविक उत्पादों के नरियात को बढ़ावा देने के लिये हमालय में उगाए गए **जैविक बाजरे** (Organic Millet) की पहली खेप डेनमार्क को नरियात की जाएगी।

- **कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद नरियात विकास प्राधिकरण** (Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority- APEDA) ने नरियात के लिये उत्तराखंड के किसानों से रागी (फगिर बाजरा) और झगिरा (बार्नयार्ड बाजरा) खरीदा है।
- वर्तमान में उन जैविक उत्पादों का नरियात किया जाता है, जिनका '**जैविक उत्पादन हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम**' (National Programme for Organic Production) की आवश्यकताओं के अनुसार उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकिंग और लेबलिंग की गई हो।

### प्रमुख बटु

जैविक उत्पादन हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम:

- इस कार्यक्रम को APEDA द्वारा वर्ष 2001 में अपनी स्थापना के बाद से लागू किया जा रहा है, जस्त्रिदिशी व्यापार (विकास और वनियमन) अधिनियम, 1992 के अंतर्गत अधिसूचि किये गया है।
- इस कार्यक्रम में फसलों और उनके उत्पादों, पोल्टरी उत्पादों, जलीय कृषि और मधुमकखी पालन आदि से संबंधि मानकों को शामिल किये गया है। देश से वभिनिन उत्पादों का नरियात इसके प्रावधानों के अनुसार होता है।
- इसके अंतर्गत किये गए प्रमाणीकरण को यूरोपीय संघ और स्वटिज़रलैंड द्वारा मान्यता दी गई है, जो कभारत को अतरिकि प्रमाणन की आवश्यकता के बनि इन देशों में प्रसंस्कृत उत्पादों का नरियात करने में सकषम बनाता है।
  - यह **बरेकज़टि** (Brexit) के बाद भी बरटिन में भारतीय जैविक उत्पादों के नरियात की सुवधि प्रदान करता है।
- इस कार्यक्रम को **भारतीय खाद्य सुरकषा मानक प्राधिकरण** (Food Safety Standard Authority of India- FSSAI) द्वारा घरेलू बाज़ार में जैविक उत्पादों के व्यापार के लिये भी मान्यता दी गई है।
- इस कार्यक्रम के साथ द्वपिकषीय समझौते के अंतर्गत शामिल उत्पादों को भारत में आयात के लिये दोबारा प्रमाणीकरण की ज़रूरत नहीं होती है।

जैविक खेती:

- FSSAI के अनुसार "**जैविक खेती**" (Organic Farming) रासायनकि उर्वरकों, कीटनाशकों, सथिटकि हार्मोन आदि के उपयोग के बनि कृषि उत्पादन की एक प्रणाली है।
- **संबंधि पहल:**
  - **पुरवोतर कषेतर के लिये जैविक मूल्य शंखला विकास मशिन** (MOVCDNER)।
  - **प्रंपरागत कृषिविकास योजना** (PKVY) आदि।
- भारत के सकिकमि राज्य को वशिव का प्रथम जैविक राज्य होने का गौरव हासलि है और इसे संयुक्त राष्ट्र **केफ्यूचर पॉलिसी गोल्ड अवार्ड** (Future Policy Gold Award), 2018 से भी सम्मानति किये जा चुका है।

भारत में जैविक खाद्य के नरियात की स्थिति:

- अप्रैल-फरवरी (2020-21) के दौरान भारत के जैविक खाद्य उत्पादों का नरियात बीते वर्ष (2019-20) इसी अवधि की तुलना में **बढ़कर 7078 करोड रुपए (51% की बढ़ोतरी)** हो गया है। वही मात्रा के आधार पर जैविक खाद्य उत्पादों के नरियात में **39% की वृद्धि** हुई।
- भारत द्वारा नरियात किये जाने वाले प्रमुख उत्पादों में ऑयल सीड, फलों की पल्प और प्यूरी, अनाज तथा बाजरा, मसाले, चाय, औषधीय पौधों के उत्पाद, सूखे फल, चीनी, दालें, कॉफी और आवश्यक तेल आदि शामिल हैं।
- भारत के जैविक उत्पादों को संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, कनाडा, बरटिन, ऑस्ट्रेलिया, स्वटिज़रलैंड, इज़रायल और दक्षिण कोरिया सहति 58 देशों में नरियात किये जाता है।

## कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद नरियात विकास प्राधिकरण

- इस प्राधकिरण की स्थापना भारत सरकार द्वारा **कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद नरियात वकिस प्राधकिरण अधनियम, 1985** के अंतरगत की गई थी ।
- यह **वाणजिय और उद्योग मंत्रालय** के अधीन कार्य करता है । इसका मुख्यालय **नई दलिली** में स्थति है ।
- इसे मुख्य तौर पर नरियात संवरुधन और अनुसूचति उत्पादों अरुथात् सब्जियों, मांस उत्पादों, डेयरी उत्पादों, मादक और गेर-मादक पेय आदि के वकिस को बढावा देने का कार्य सौपा गया है ।
- इसे चीनी के आयात की नगिरानी करने की ज़मिमेदारी भी दी गई है ।

**स्रोत: पी.आई.बी.**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/export-of-organic-millet>

